

This question paper contains 3 printed pages]

G—20—2018

FACULTY OF ARTS

M.A. (Second Year) (III Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2018

HINDI

Paper IX

(आधुनिक कविता, भाग-I)

(Monday, 26-11-2018)

Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.

Time—Three Hours

Maximum Marks—75

N.B. :— (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 10

(अ) “अरी उपेक्षा भरी अमरते! री अतृप्ति! निर्वाध विलास!

द्विधा रहित अपलक नयनों की भूख भरी दर्शन की प्यास!”

अथवा

“राजा प्रजा, धनी औ’ निर्धन

सभ्य असंस्कृत, सज्जन दुर्जन

भव मानवता से सबको भर,

खंड मनुष्य को फिर से ढालो!”

(आ) “धर्मराज, यह भूमि किसी की नहीं क्रीत है दासी,

हैं जन्मना समान परस्पर इसके सभी निवासी।

है सबको अधिकार मृत्ति का पोषक-रस पीने का,

विविध अभावों से अभंक हो-कर जग में जीने का।”

P.T.O.

अथवा

“अहंकार बन, राग द्वेष बन,
काम क्रोध-भय-विघ्न क्लेश बन,
शत छिद्रों से फूट फूट शत
निःश्वासों से मधु बरसाओ!”

2. ‘कामायनी’ की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

‘युद्ध की समस्या मनुष्य की सारी समस्याओं की जड़ है’-‘कुरुक्षेत्र’ के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए : 10

अथवा

(अ) ‘आत्म-समर्पण’ कविता की मूल संवेदना।

अथवा

‘कामायनी’ के आनंद सर्ग की दार्शनिकता।

- (आ) ‘दो लड़के’ कविता में चित्रित सामाजिक विषमता। 10

अथवा

‘कुरुक्षेत्र’ के युधिष्ठिर का मानसिक द्वंद्व।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग पंद्रह-बीस पंक्तियों में लिखिए : 5

- (i) मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
(ii) अयोध्यासिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’ की कविताओं की मूल संवेदना प्रकट कीजिए।
(iii) “बच्चन हालावाद के कवि हैं” - स्पष्ट कीजिए।
(iv) निराला का जीवन-परिचय दीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5
- (i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के पिता का नाम क्या था ?
- (ii) 'नीरजा' किसकी रचना है ?
- (iii) निराला की पुत्री का नाम क्या था ?
- (iv) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस प्रदेश में हुआ ?
- (v) 'सतरंगिनी' कविता संग्रह के रचनाकार कौन हैं ?
- (आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5
- (i) 'ठेठ हिंदी का ठाठ' की रचना है।
- (ii) 'रश्मि' के रचनाकार हैं।
- (iii) बच्चनजी की आत्मकथा के खंड हैं।
- (iv) 'मतवाला' पत्रिका के संपादक थे।
- (v) मैथिलीशरण गुप्त की माता का नाम था।